उपभोक्ताओं, कारखानों तथा विद्युत् प्रजनन केन्द्रों के सामने कोयले का संकट

27. श्री डी० अनसर :
डा० लक्ष्मी नारायण पाण्डेय :
श्री सुभाष अहूजा :
श्री अचल सिंह ठाकुर :

क्या ऊर्जा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या गत अप्रैल मास की तुलना में गत नवम्बर-दिसम्बर के दौरान कोयले का अधिक उत्पादन हुआ था ;

(ख) यदि हां, तो कितना अधिक ;

(ग) उपभोक्ताओं, कारखानों तथा विद्युत प्रजनन केन्द्रों के सामने आये कोयले के संकट को दूर करने के लिए क्या कदम उठाए जा रहे हैं और इस दिशा में उठाये गये कदमों के क्या फल निकले हैं ; और

(घ) क्या सरकार ने इस सम्बन्ध में उद्योगों तथा रेल मंत्रालय से सहयोग लेने का प्रयास किया है ?

ऊर्जा मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री जनेश्वर मिश्र): (क) और (ख). नवम्बर, 1978 और दिसम्बर, 1978 में कोयले का उत्पादन क्रमशः 81.91 लाख टन तथा 91.68 लाख टन था जबकि अप्रैल, 1978 में यह उत्पादन 78.48 लाख टन रहा था।

(ग) और (घ). सितम्बर, 1978 में हुई भारी वर्षा से बंगाल, बिहार कोयला क्षेत्र की बाढ़ ग्रस्त लगभग सभी खानों से पानी हटा दिए जाने के कारण उत्पादन बढ़ना शुरू हो गया है।

अब 1-11-78 के 9.87 मि० टन खान मुहाना स्टाक की तुलना में इस समय खान मुहाना स्टाक लगभग 12 मिलियन टन है। वैगनों को लदाई में सुधार के लिए रेलवे के साथ घनिष्ठ सम्पर्क रखा जा रहा है। वैगनों की दैनिक औसत लदान अक्टूबर, 78 में लादे गए 8283 वैगनों की तुलना में जनवरी, 1979 में बढ़कर 9245 वैगन हो गई है तथा इस संख्या में और भी वृद्धि होने की आशा है। रेल परिवहन की कमी को पूरा करने की दृष्टि से सड़क से कोयला ले जाने की अनुमति दे दी गई है। उद्योगपतियों की कठिनाइयों को दूर करने के लिए सभी संभव प्रयास किए जा रहे हैं।

सिनेमा के दृश्यों में हिंसा

28. श्री अर्जुन सिंह भदौरिया : क्या सूचना और प्रसारण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या देश में हिंसा का वातावरण उत्पन्न करने, जीवन के मूल्यों को गिराने, फैशन का उन्माद बढ़ाने और युवकों पर बुरा प्रभाव डालने के मामले में सिनेमा ने सभी रिकार्ड तोड़ दिये हैं।

(ख) क्या सिनेमा के दृश्यों को देखने से चोरी, डकैती और हत्या के मामलों में वृद्धि होती है तथा वर्तमान वातावरण को सभी प्रकार से दूषित करने में सिनेमा एक मुख्य कारण है ;

(ग) क्या सरकार ने सिनेमा को शिक्षा, सद्भावना, मनोरंजन और मानव मूल्यों को विकसित करने के माध्यम के रूप में उपयोग करने के बारे में कोई कार्यवाही की है ; और

(घ) यदि हां, तो तत्सम्बन्धी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो ऐसी कार्यवाही करने में विलम्ब के क्या कारण हैं ?

सूचना और प्रसारण मंत्री (श्री लाल कृष्ण आडवाणी) (क) और (ख). इस देश में सिनेमा का हिंसा, जुर्म, आदि से नैमित्तिक सम्बन्ध के बारे में कोई वैज्ञानिक अध्ययन नहीं किया गया है ; अतः इस प्रकार का निष्कर्ष नहीं निकाला जा सकता।

(ग) और (घ). भारत में फिल्म उद्योग निजी क्षेत्र में है और फिल्मों के निर्माण पर इस रूप में सरकार का कोई नियंत्रण नहीं है। तथापि, सभी फिल्में फिल्म सेंसर बोर्ड द्वारा चलचित्र अधिनियम, 1952 के प्रावधानों और इसके अन्तर्गत जनवरी, 1978 में जारी किए गए मार्गदर्शी सिद्धान्तों के अनुसार जाँची जाती हैं। इन मार्गदर्शी सिद्धान्तों के अनुसार बोर्ड को यह सुनिश्चित करना होता है कि हिंसा, अशिष्टता, अश्लीलता और भ्रष्टता के ऐसे असंगत दृश्य नहीं हों जिनसे मानसिक संवेदनशीलता क्षुब्ध हो।

फिल्म प्रभाग, बम्बई भी डाकुमैंट्री फिल्में बनाता है जो सूचनाप्रद और शैक्षिक महत्व वाली होती हैं। फिल्म वित्त निगम कलात्मक उत्कृष्टता वाली फिल्मों को निर्माण के लिए ऋण प्रदान करता है और इस प्रकार अच्छी फिल्मों के विकास को बढ़ावा देता है। इस प्रयोजन के लिए वित्त निगम का कोष बढ़ाने के लिए भी कदम उठाए गए हैं।